अप्रकट टीबी संक्रमण से ले कर टीबी रोग की ओर प्रगति

अप्रकट टीबी संक्रमण कब टीबी रोग बन जा सकता है?

जब कुछ एलटीबीआईग्रस्त लोगों का प्रतिरक्षा तन्त्र टीबी के जीवाणुओं को बढने और फैलने से रोकने के लिये अशक्त हो जायेगा तब उन्हें सक्रिय टीबी रोग होगा।

किसे टीबी रोग होने की संभावना ज़्यादा है?

जिन्हे एलटीबीआई हो और अगर उपर से निर्बल इम्युन सिस्टम (प्रतिरक्षा तन्त्र) भी हो तो उन्हें सक्रिय टीबी होने की संभावना ज़्यादा रहती है। प्रौढ़, वयोवृद्ध, शिशु, तथा ५ साल से छोटे बच्चों का इम्युन सिस्टम (प्रतिरक्षा तन्त्र) कमज़ोर हो सकता है।

निम्न स्थितियां भी इम्युन सिस्टम (प्रतिरक्षा तन्त्र) को निर्बल बना देती है या बदल देती है:

- एचआइवी संक्रमण और एड्स
- डायबीटीस - मधुमेह
- गुर्दे की गंभीर बीमारी
- सीलिकोसिस
- केन्सर
- ओर्गन ट्रान्सप्लान्ट
- इम्युन सिस्टम (प्रतिरक्षा तन्त्र) को बदल देने वाली दवायें व उपचार (जैसे कि ग्लुकोकोर्टीसोइड्स, आर्थराइटीस-गठिया की कुछ ऐसी चिकित्सायें, क्रोन्स रोग एवं सोरायसिस)
- शरीर का कम वज़न

निम्न व्यक्तिओं को भी सक्रिय टीबी होने की संभावना ज़्यादा है:

- जिन के छाती का एक्स रे पुराना टीबी बताता हो मगर उस की न तो चिकित्सा हुई थी, ना ही रोग से मुक्ति मिली थी
- जो पिछले २ सालों के अन्दर टीबी के जीवाणुओं से संदुषित हुए थे
- जो सिगरेट पीते हैं

विहंगावलोकन

टीबी को रोका जा सकता है, उस की चिकित्सा की जा सकती है और उस से मुक्ति भी मिल सकती है। टीबी की रोकथाम और उस के उपचार में उपयोगी एन्टीबायोटीक्स अपने मरीज़ों को देने के लिये डॉक्टरों को नि: शुल्क दिये जाते हैं।